साहित्योत्सव
Festival of Letters
21 - 26 February 2017

साहित्य अकादेमी

दैनिक समाचार बुलेटिन

मंगलवार, 21 फ़रवरी 2017

## आज के कार्यक्रम

**सत्यव्रत शास्त्री द्वारा अकादेमी प्रदर्शनी का उद्घाटन**
पूर्वाह्न 10 बजे, रवींद्र भवन परिसर

**मातृभाषा संरक्षण पर राष्ट्रीय संगोष्ठी**
अपराह्न 2.30 बजे, रवींद्र भवन परिसर

**भाषा सम्मान अर्पण समारोह**
सायं 6 बजे, रवींद्र भवन परिसर

**सांस्कृतिक कार्यक्रम**
कला वारसो ट्रस्ट द्वारा
कच्छी लोक संगीत
सायं 7.00 बजे, मेघदूत रंगशाला-1

## ग्रामालोक

श्रेष्ठ साहित्य को देश के कोने-कोने में पहुँचाने की दृष्टि से 'ग्रामालोक' नामक कार्यक्रम शृंखला की परिकल्पना की गई है। यद्यपि अकादेमी द्वारा वर्षों से देश के ग्रामीण क्षेत्रों में भी साहित्यिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहा है, लेकिन अकादेमी ने 2016 की गाँधी जयंती (2 अक्तूबर) को चपलगाँव, सोलापुर, महाराष्ट्र में 'ग्रामालोक' के अंतर्गत प्रथम कार्यक्रम का आयोजन कर भारत के गाँवों में साहित्य पहुँचाने का विशेष संकल्प लिया है। 'ग्रामालोक' गाँवों में रहनेवाले उन लेखकों/ कवियों/ विद्वानों के लिए भी एक मंच का काम करेगा, जिन्हें पर्याप्त अवसर नहीं मिल पाते। आम जनता के बीच पढ़ने की आदत विकसित करने और साहित्यिक आस्वाद के प्रोत्साहन की अपनी प्रतिबद्धता के तहत अकादेमी 2017 में अधिकाधिक गाँवों में कार्यक्रमों के आयोजन की योजना बना रही है।

# साहित्य अकादेमी प्रदर्शनी 2016

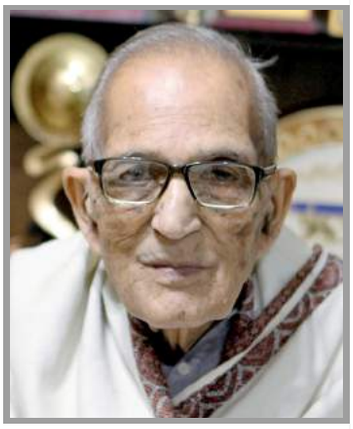

साहित्य अकादेमी प्रदर्शनी 2016 का उद्घाटन प्रतिष्ठित संस्कृत विद्वान तथा साहित्य अकादेमी के महत्तर सदस्य प्रो. सत्यव्रत शास्त्री द्वारा 21 फ़रवरी 2017 के पूर्वाह्न 10 बजे रवींद्र भवन परिसर, नई दिल्ली में किया जाएगा। अकादेमी प्रदर्शनी से पारंपरिक रूप से अकादेमी के वार्षिक आयोजन साहित्योत्सव का आरंभ होता है।

अकादेमी प्रदर्शनी में विगत वर्ष के दौरान अकादेमी की उपलब्धियों को रेखांकित किया जाता है, जिसके अंतर्गत छायाचित्रों के माध्यम से अकादेमी द्वारा आयोजित पुरस्कार समारोहों, संगोष्ठियों, परिसंवादों, कार्यशालाओं, सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रमों, प्रदर्शनियों तथा विभिन्न कार्यक्रम शृंखलाओं में आयोजित कार्यक्रमों की झलकियाँ प्रस्तुत की जाती हैं। इसके अंतर्गत अकादेमी पुरस्कार प्राप्त लेखकों के छायाचित्र और उनसे संबंधित सूचनाओं का विशेष रूप से प्रदर्शित किया जाता है। कुल मिलाकर प्रदर्शनी को देखकर कोई भी अकादेमी के उद्देश्यों, कार्यों, गतिविधियों और अन्य संबंधित जानकारियों से परिचित हो सकता है।

प्रो. सत्यव्रत शास्त्री प्रतिष्ठित संस्कृत विद्वान, लेखक, वैयाकरिणक और कवि हैं। संस्कृत में आपके तीन महाकाव्य, तीन खंडकाव्य, एक प्रबंधकाव्य, एक पत्रकाव्य और पाँच आलोचना पुस्तकें प्रकाशित हैं। आपकी महत्त्वपूर्ण कृतियों में *रामकीर्तिमहाकाव्यम्, वृहत्तरम् भारतम्, श्रीबोधिसत्त्वचरितम्, वैदिक व्याकरण, शर्मण्यदेशः सुतरां विभाति* एवं *डिस्कवरी ऑफ़ संस्कृत ट्रेज़र्स* (सात खंडों में) शामिल हैं। आपको साहित्य अकादेमी पुरस्कार, ज्ञानपीठ पुरस्कार, पद्मभूषण अलंकरण, कालिदास सम्मान, पंडित जगन्नाथ संस्कृत पद्य-रचना पुरस्कार एवं शास्त्र-चूड़ामणि आदि अनेक पुरस्कार-सम्मान-उपाधियों से विभूषित किया गया है।

## साहित्योत्सव 2017 के नए कार्यक्रम

**मातृभाषा संरक्षण पर राष्ट्रीय संगोष्ठी**

अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर आयोजित यह संगोष्ठी साहित्योत्सव का विशेष आयोजन है। मातृभाषा के माध्यम से व्यक्ति अपने माता-पिता, दुनिया और स्वयं से संवाद करता है। इस संगोष्ठी में भारत में मातृभाषा की वर्तमान स्थिति एवं उसके पुनरुद्धार के लिए किए जानेवाले प्रयत्नों पर विचार-विमर्श होगा। पहली बार अकादेमी द्वारा साहित्योत्सव में मातृभाषा विमर्श को शामिल किया गया है।

**भाषा सम्मान अर्पण समारोह**

साहित्य अकादेमी द्वारा प्रतिवर्ष दो भाषा सम्मान अकादेमी द्वारा ग़ैर-मान्यताप्राप्त भाषाओं के विद्वानों/लेखकों को तथा दो भाषा सम्मान कालजयी एवं मध्यकालीन साहित्य के अध्येताओं/ विद्वानों को प्रदान किए जाते हैं। साहित्योत्सव में पहली बार भाषा सम्मान अर्पण समारोह को भी शामिल किया गया है।

# साहित्य अकादेमी पुरस्कार-2016 के विजेता

**असमिया**

ज्ञान पुजारी प्रख्यात असमिया कवि, अनुवादक तथा नाटककार हैं। पुरस्कृत कृति *मेघमालार भ्रमण* असमिया काव्य–संग्रह है। यह कृति विचारोत्तेजक, अर्थपूर्ण तथा रोज़मर्रा के जीवन की कठोर वास्तविकताओं का यथार्थवादी किंतु नियंत्रित शैली में चित्रण करती है।

**बाङ्ला**

नृसिंह प्रसाद भादुड़ी बाङ्ला तथा संस्कृत भाषा के प्रख्यात विद्वान हैं। पैंतीस से अधिक पुस्तकों के प्रणयन के अलावा कई आलेख, निबंध तथा शोधालेख भी लिखे हैं। पुरस्कृत कृति *महाभारतेर अष्टादशी* बाङ्ला निबंध–संग्रह है। इस संकलन के निबंध यह प्रदर्शित करते हैं कि किसी भी स्त्री चरित्र को महत्त्वहीनता अथवा 'नारीवाद' या 'पितृसत्ता' की आधुनिक समझ के आलोक में से किसी भी आधार पर अलग नहीं किया जा सकता।

**बोडो**

अंजली बसुमतारी प्रख्यात बोडो कवयित्री तथा लेखिका हैं। पाँच कविता–संग्रह के अलावा आपकी दो संपादित कृतियाँ प्रकाशित हैं। पुरस्कृत कृति *आं माबोरै दं दासों* बोडो काव्य–संग्रह है, जो संसार में महिलाओं की दुर्दशा एवं उनके साथ हो रहे अन्याय से सरोकार रखता है।

**डोगरी**

छत्रपाल (जे.पी. सर्राफ़) प्रतिष्ठित डोगरी कथाकार, अनुवादक तथा पटकथा लेखक हैं। पुरस्कृत कृति *चेता* डोगरी कहानी–संग्रह है, जो विभिन्न सामाजिक मुद्दों से सरोकार रखता है तथा साधारण लोगों के दैनंदिन जीवन के विविध रंगों का निरूपण करता है। प्रत्येक कहानी मन को छूती है तथा भाषा प्रवाहमय, सरल है तथा प्रत्येक कहानी की शैली एवं कथा–वृत्तांत विभिन्न कथानकों एवं विन्यास पर आधारित है।

**अंग्रेज़ी**

जेरी पिंटो प्रख्यात अंग्रेज़ी लेखक, पत्रकार, अनुवादक, संपादक तथा पटकथा लेखक हैं। आपने कई कृतियों का लेखन, अनुवाद एवं संपादन किया है। पुरस्कृत कृति *एम एंड द बिग हूम* अंग्रेज़ी उपन्यास है, जो एक ही परिवार के चार सदस्यों के बारे में है, जिनमें माँ अत्यधिक अस्थिर मानसिक स्थिति से गुज़र रही है।

**गुजराती**

कमल वोरा प्रख्यात गुजराती कवि तथा लेखक हैं। संप्रति, आप एक प्रतिष्ठित त्रैमासिक पत्रिका *एतद* के सह–संपादक हैं। आपके तीन कविता–संग्रह प्रकाशित हैं। पुरस्कृत कृति *अनेकएक* विविध भावभूमियों पर आधारित गुजराती काव्य–संग्रह है। संग्रह की सभी कविताएँ अत्यधिक सांकेतिक हैं तथा कवि ने संवेदनशील ढंग से छवियों को बुनते हुए इनके मध्य पर्याप्त अवकाश रखा है।

**हिंदी**

नासिरा शर्मा प्रख्यात हिंदी कथाकार, संपादिका, अनुवादिका एवं पटकथा लेखिका हैं। आपके अब तक दस उपन्यास, नौ कहानी–संग्रह, एक संस्मरण कृति, कई अनूदित एवं संपादित रचनाएँ, बाल साहित्य पुस्तकें प्रकाशित हैं। पुरस्कृत कृति *पारिजात* इलाहाबाद की गंगा–जमुनी सम्मिश्रित संस्कृति की पृष्ठभूमि में मानवीय संबंधों की जटिलता एवं प्रासंगिकता को उजागर करनेवाला हिंदी उपन्यास है।

**कन्नड**

बोलवार महमद कुंञि प्रख्यात कन्नड कहानीकार एवं उपन्यासकार हैं। पुरस्कृत कृति *स्वतंत्रायदा ओटा* कन्नड उपन्यास है, जो आधुनिक भारत अर्थात् विभाजन के समय से लेकर समसामयिक भारत के ग्रामीण जीवन से सरोकार रखता है।

**कश्मीरी**

अज़ीज़ हाजिनी प्रख्यात कश्मीरी लेखक तथा आलोचक हैं। आपकी अब तक पंद्रह पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। पुरस्कृत कृति *आने ख़ानः* आलोचनात्मक निबंध–संग्रह है, जिसमें लाल वख़ से लेकर शेख़–ए–श्रुकी, ग़ज़ल, कश्मीरी नाटक, सूफ़ी शायरी, धार्मिक गद्य, समसामयिक कश्मीरी लेखन तक की कश्मीरी साहित्यिक परंपरा की विस्तृत शृंखला को समाविष्ट किया गया है।

**कोंकणी**

एड्वीन जे.एफ़. डिसोजा प्रख्यात कोंकणी कथाकार एवं आलोचक हैं। आपके तैंतीस उपन्यास, सौ कहानियाँ, सौ से अधिक आलोचनात्मक निबंध एवं आलेख प्रकाशित हो चुके हैं। पुरस्कृत कृति *काळें भांगार* खाड़ी तेल आक्रमण के बीच फँसे मध्यमवर्गीय परिवार तथा इराकी हमले के दौरान मंगळूरु एवं कुवैत में बसे लोगों के जीवन पर आधारित कोंकणी उपन्यास है।

**मैथिली**

श्याम दरिहरे प्रख्यात मैथिली कथाकार एवं कवि हैं। आपकी उल्लेखनीय कृतियों में *सरिसोमे भूत* (कहानी–संग्रह); *घुरी आउ मान्या* (उपन्यास); *क्षमा करब हे महाकवि* (काव्य–संग्रह) शामिल हैं। पुरस्कृत कृति *बड़की काकी एट हॉटमेल डॉट कॉम* विविध भावभूमियों पर आधारित मैथिली कहानियों का संग्रह है, जो साधारण लोगों की ज़िंदगियों से सरोकार रखता है।

**मलयाळम्**

प्रभा वर्मा प्रख्यात मलयाळम् कवि, साहित्यकार, पत्रकार, गीतकार तथा संपादक हैं। पुरस्कृत कृति *श्याममाधवम* पंद्रह अध्यायों में विभक्त काव्योपन्यास है। यह कृति भगवान कृष्ण तथा उनके सांसारिक निवास के दौरान उनके प्रभाव में आनेवाले मनुष्यों के जीवन के इर्द–गिर्द घूमती है।

**मणिपुरी**

मोइराङ्थेम राजेन सुपरिचित मणिपुरी कहानीकार तथा कवि हैं। आपकी तीन कृतियाँ प्रकाशित हैं। पुरस्कृत कृति *चेपथरबा इशिङ्पुन* मणिपुरी कहानी–संग्रह है। स्थानीय विषय उठाने के बावजूद लेखक ने कुशलतापूर्वक सरल शब्दों के प्रयोग द्वारा सार्वभौमिक तत्त्वों तथा सक्रियतावाद के संदेश को प्रतिपादित किया है।

**मराठी**

आसाराम मारोतराव लोमटे सुपरिचित मराठी लेखक हैं। संप्रति, आप *लोकसत्ता* में पत्रकार के रूप में कार्यरत हैं। आपके तीन कहानी–संग्रह *इडा पिडा टळो, आलोक* तथा *धूळपेर* प्रकाशित हैं। पुरस्कृत कृति *आलोक* मराठी कहानी–संग्रह है। यह ग्रामीण स्थानों पर रहनेवाले आम आदमी के जीवन को उनकी समस्त जटिलता एवं विस्तार के साथ प्रस्तुत करनेवाली सशक्त कृति है।

**नेपाली**

गीता उपाध्याय प्रख्यात द्विभाषी लेखिका तथा अनुवादिका हैं। नेपाली तथा असमिया में आपकी कई पुस्तकें प्रकाशित हैं। पुरस्कृत कृति *जन्मभूमि मेरो स्वदेश* उत्तर–पूर्व में हुए स्वतंत्रता आंदोलन की पृष्ठभूमि को लेकर लिखा गया नेपाली उपन्यास है। मनोरंजक कहानी, मुहावरेदार अभिव्यक्तियों के दक्ष परिनियोजन तथा भाषा के कुशल प्रयोग ने इस रचना को दिलचस्प बना दिया है।

**ओड़िया**

पारमिता शतपथी प्रख्यात ओड़िया लेखिका एवं अनुवादिका हैं। आपकी महत्त्वपूर्ण कृतियों में *विविध अस्वप्न, कुरेइ फूल* तथा *नारीकबि ओ अन्यमने* (कहानी–संग्रह) *अपथचारिनि* एवं *अभिप्रेत कला* (उपन्यास) शामिल हैं। पुरस्कृत कृति *प्राप्ति* ओड़िया कहानी–संग्रह है, जो मानवीय प्रारब्ध, विशेषरूप से महिलाओं से जुड़ी संभाव्य घटनाओं से संबद्ध है।

**पंजाबी**

स्वराजबीर प्रख्यात पंजाबी कवि एवं नाटककार हैं। आपकी उल्लेखनीय कृतियों में *अपनी अपनी रात, साहां थानी* एवं *23 मार्च* (कविता–संग्रह) तथा *धर्म गुरु, कृष्ण, तस्वीरां, हक़* एवं *अग्निकुंड* (नाटक) शामिल हैं। पुरस्कृत कृति *मस्सया दी रात* पंजाबी नाटक है, जो पुत्र को जन्म देने के लिए एक स्त्री पर पड़नेवाले सामाजिक दबाव पर आधारित है। लेखक ने कुशलतापूर्वक इस समस्या के विभिन्न आयामों को दर्शाया है।

**राजस्थानी**

बुलाकी शर्मा प्रख्यात राजस्थानी कथाकार हैं। आपने अल्पवय से लिखना प्रारंभ किया तथा विभिन्न विधाओं में आपकी कई पुस्तकें प्रकाशित हैं। पुरस्कृत कृति *मरदजात अर दूजी कहाणियाँ* राजस्थानी कहानी–संग्रह है, जो राजस्थान के साधारण लोगों की पीड़ा एवं संघर्ष से सरोकार रखता है। अधिकांश कहानियाँ पितृसत्तात्मक समाज में महिलाओं की स्थिति तथा उनके कष्टों एवं विलाप का यथार्थवादी चित्र प्रस्तुत करती हैं।

**संस्कृत**

सीतानाथ आचार्य प्रख्यात संस्कृत विद्वान एवं लेखक हैं। आपकी कई कृतियाँ प्रकाशित हैं तथा आपने सौ से अधिक शोध आलेख लिखे हैं। पुरस्कृत कृति *काव्यनिर्झरी संस्कृत* कविताओं का संग्रह है, जो विषयों की व्यापक शृंखला से संबद्ध तथा अपनी प्रतिभा एवं तीव्रता के कारण उल्लेखनीय है।

**संताली**

गोबिंद चंद्र माझी लब्धप्रतिष्ठ संताली कवि एवं लेखक हैं। संप्रति, आप *सावँहेद आड़ंग* के संपादक हैं। आपकी दो कृतियाँ प्रकाशित हैं। पुरस्कृत कृति *नाल्हा* संताली कविता–संग्रह है, जो समकालीन संताल समाज में प्रचलित व्यापक मुद्दों को दर्शाता है। ये कविताएँ संताली समाज की अति सूक्ष्म समझ, संताली समाज के लोगों के मूल्यों तथा रीति–रिवाजों को चित्रित करती हैं।

**सिंधी**

नंदलाल जवेरी प्रतिष्ठित सिंधी कवि एवं लेखक हैं। आपकी तीन पुस्तकें प्रकाशित हैं। पुरस्कृत कृति *अखर कथा* सिंधी कविता–संग्रह है, जिसकी कविताएँ जीवन की व्यापकता तथा अंतर्विरोधों को दर्शाती हैं। संग्रह की कविताएँ विविध विषयों पर आधारित हैं, जो मानव अस्तित्व के कई मुद्दों से जुड़ी हैं तथा मानव जीवन की विशिष्टता और क्षुद्रता को एकसाथ चित्रित करती हैं।

**तमिळ**

वन्नदासन (एस. कल्याणसुंदरम) प्रख्यात तमिऴ कवि, लेखक एवं समालोचक हैं। आपने तेरह कहानी–संग्रह, तेरह कविता–संग्रह, एक समालोचना पर आधारित पुस्तक, एक उपन्यास तथा आलेखों के दो खंडों का प्रणयन किया। पुरस्कृत कृति *ओरु सिरु इसै* तमिऴ कहानियों का संग्रह है, जो मानवता तथा पारस्परिक रिश्तों के गहरे भावों को प्रतिबिंबित करता है। इसकी कहानियाँ सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों तथा सरोकारों से भी पगी हुई हैं।

**तेलुगु**

पापिनेनि शिवशंकर प्रख्यात तेलुगु कवि, लेखक तथा समालोचक हैं। आपकी उल्लेखनीय कृतियों में *स्तब्धता चलानम, आकुपच्चनि लोकंलो* एवं *रजनीगंधा* (कविता–संग्रह), *मुट्टी गुंडे* एवं *सागं तेरिचिन तलुपु* (कहानी संग्रह), *निशांता* तथा *द्रवाधुनिकता* (समालोचना) शामिल हैं। पुरस्कृत कृति *रजनीगंधा* तेलुगु कविता–संग्रह है, जो वास्तविक जीवन की स्थितियों तथा भावनाओं को उजागर करता है।

**उर्दू**

निज़ाम सिद्दीक़ी प्रख्यात उर्दू आलोचक, लेखक तथा अनुवादक हैं। आपकी उर्दू में दस, अंग्रेज़ी में तीन तथा फ्रांसीसी में दो पुस्तकें प्रकाशित हैं। पुरस्कृत कृति *माबाद–ए–जदीदियत से नये अहद की तख़्लीक़ियत तक* उर्दू समालोचना है, जो साहित्यिक तथा सांस्कृतिक मुद्दों से संबद्ध है। इस कृति में साहित्यिक विधाओं में नए युग की सृजनात्मकता का उत्तर–आधुनिकता के व्यापक नज़रिए से समावेश किया गया है।

साहित्योत्सव
Festival of Letters
21 - 26 February 2017

# साहित्योत्सव के कार्यक्रम

## 21 फ़रवरी 2017 (मंगलवार)

साहित्य अकादेमी प्रदर्शनी का उद्घाटन (रवींद्र भवन परिसर, पूर्वाह्न 10.00 बजे)
मातृभाषा संरक्षण विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी (रवींद्र भवन परिसर, अपराह्न 2.30 बजे )
भाषा सम्मान अर्पण (रवींद्र भवन परिसर, सायं 6.00 बजे)
सांस्कृतिक कार्यक्रम: कच्छी संगीत (मेघदूत रंगशाला-I, सायं 7.00 बजे)

## 22 फ़रवरी 2017 (बुधवार)

मातृभाषा संरक्षण विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी (जारी) (रवींद्र भवन परिसर, पूर्वाह्न 10.00 बजे)
लेखक से भेंट (प्रख्यात भारतीय अंग्रेज़ी लेखिका रूपा बाजवा के साथ) (रवींद्र भवन परिसर, अपराह्न 2.30 बजे)
साहित्य अकादेमी पुरस्कार 2016 अर्पण (कमानी सभागार, सायं 5.30 बजे)
सांस्कृतिक कार्यक्रम: भरतनाट्यम (कमानी सभागार, सायं 7.00 बजे)

## 23 फ़रवरी 2017 (गुरुवार)

युवा साहिती (साहित्य अकादेमी परिसर, पूर्वाह्न 10.00 बजे)
लेखक सम्मिलन (साहित्य अकादेमी पुरस्कार 2016 के विजेताओं के साथ) (रवींद्र भवन परिसर, पूर्वाह्न 10.30 बजे)
कवि अनुवादक (केदारनाथ सिंह के साथ हरीश त्रिवेदी) (रवींद्र भवन परिसर, सायं 4.30 बजे )
रामचंद्र गुहा द्वारा संवत्सर व्याख्यान (रवींद्र भवन परिसर, सायं 6.00 बजे)
सांस्कृतिक कार्यक्रम: लाई हारोबा, माव और काबुई नृत्य (मेघदूत रंगशाला-I, सायं 7.30 बजे)

## 24 फ़रवरी 2017 (शुक्रवार)

आमने-सामने (साहित्य अकादेमी पुरस्कार 2016 से पुरस्कृत लेखकों से बातचीत) (मेघदूत रंगशाला-III, पूर्वाह्न 10.00 बजे)
पूर्वोत्तरी (उत्तर-पूर्व और उत्तरी लेखक सम्मिलन) (रवींद्र भवन परिसर, पूर्वाह्न 10.30 बजे)
लोकसाहित्य : कथन एवं पुनर्कथन विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी (साहित्य अकादेमी सभागार, पूर्वाह्न 11.00 बजे)
सांस्कृतिक कार्यक्रम : बाउल गान (मेघदूत रंगशाला-५, सायं 6.00 बजे)

## 25 फ़रवरी 2017 (शनिवार)

लोकसाहित्य : कथन एवं पुनर्कथन विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी (जारी) (साहित्य अकादेमी सभागार, पूर्वाह्न 10.00 बजे)
आदिवासी लेखक सम्मिलन (पैनल चर्चा, आदिवासी सृजन मिथकों का सस्वर पाठ एवं आदिवासी भाषा कवि सम्मिलन) (रवींद्र भवन परिसर, पूर्वाह्न 10.30 बजे)
आओ कहानी बुनें (बच्चों के लिए मैजिक शो, कहानी की नाटकीय प्रस्तुति एवं कहानी लेखन, निबंधा लेखन प्रतियोगिताएँ आदि) (रवींद्र भवन परिसर, पूर्वाह्न 11.00 बजे)
सांस्कृतिक कार्यक्रम: संताली नृत्य (मेघदूत रंगशाला-I, सायं 6.00 बजे)

## 26 फ़रवरी 2017 (रविवार)

लोकसाहित्य : कथन एवं पुनर्कथन विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी (जारी) (साहित्य अकादेमी सभागार, पूर्वाह्न 10.00 बजे)
अनुवाद पुनर्कथन के रूप में विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी (रवींद्र भवन परिसर, पूर्वाह्न 10.30 बजे)
भारत की अलिखित भाषाएँ: परिसंवाद (रवींद्र भवन परिसर, पूर्वाह्न 11.00 बजे)

**साहित्य अकादेमी**
रवींद्र भवन, 35, फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110 001
दूरभाष : 011 23386626/27/28, फ़ैक्स : 011 23382428
ईमेल : secretary@sahitya-akademi.gov.in
वेबसाइट : www.sahitya-akademi.gov.in
फ़ेसबुक : http://www.facebook.com/Sahityaakademi